झारखण्ड पीसीएस परीक्षा-पाठ्क्रम (Syllabus)

झारखण्ड लोक सेवा आयोग (पीसीएस परीक्षा)

सिविल सेवा की परीक्षा हेतु संशोधित पद्धति (विषय)।	अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम अर्हक अंक	टिप्पणी
प्रारंभिक परीक्षा (जाँच परीक्षा)				
सामान्य अध्ययन-प्रथम	दो घंटे	200	विज्ञापन के अनुसार	बहुविकल्पीय
सामान्य अध्ययन-द्वितीय (झारखण्ड विशेष)	दो घंटे	200	विज्ञापन के अनुसार	बहुविकल्पीय
मुख्य परीक्षा (वैकल्पिक विषय नहीं, सभी समान अनिवार्य विषय)				
प्रश्नपत्र प्रथम: सामान्य हिंदी एवं सामान्य अंग्रेज़ी के दो पृथक् खंड 1. सामान्य हिंदी, 2. सामान्य अंग्रेज़ी (प्रत्येक 50 अंक)।	3 घंटे	100	विज्ञापन के अनुसार	विवरणात्मक
प्रश्नपत्र द्वितीय: भाषा और साहित्य: इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत, प्रत्येक अभ्यर्थी को आयोग द्वारा दी गईं पंद्रह भाषाओं एवं साहित्य में से किसी एक का चुनाव करना है।	3 घंटे	150	उपरोक्त अनुसार	उपरोक्त अनुसार
प्रश्नपत्र तृतीय: सामाजिक विज्ञान, जिसमें इतिहास एवं भूगोल के दो पृथक् खंड होंगे, दोनों खण्डों के अंक समान होंगे।	3 घंटे	200	उपरोक्त अनुसार	उपरोक्त अनुसार
प्रश्नपत्र चतुर्थ: भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था, लोक प्रशासन एवं शासन व्यवस्था।	3 घंटे	200	उपरोक्त अनुसार	उपरोक्त अनुसार
प्रश्नपत्र पंचम: भारतीय अर्थव्यवस्था, वैश्वीकरण एवं सतत विकास।	3 घंटे	200	उपरोक्त अनुसार	उपरोक्त अनुसार
प्रश्नपत्र षष्ठ: सामान्य विज्ञान, पर्यावरण और प्रौद्योगिकीय विकास।	3 घंटे	200	उपरोक्त अनुसार	उपरोक्त अनुसार
कुल अंक (मुख्य परीक्षा)।	–	1050	आयोग के विवेकानुसार	उपरोक्त अनुसार
साक्षात्कार	–	100	–	–
कुल योग	–	1150	–	–

प्रारम्भिक परीक्षा-पाठ्यक्रम

झारखण्ड की संशोधित प्रारंभिक सिविल सेवा परीक्षा के लिये पाठ्यक्रम

प्रारंभिक परीक्षा में दो अनिवार्य प्रश्नपत्र शामिल होंगे। सामान्य अध्ययन-प्रथम (200 अंक) तथा सामान्य अध्ययन-द्वितीय (200 अंक)। प्रश्नपत्रों का प्रारूप बहुविकल्पीय तथा वैकल्पिक प्रकार का होगा। प्रश्नपत्र द्विभाषी (हिंदी तथा अंग्रेज़ी) होगा।

सामान्य अध्ययन-प्रथम

कुल अंक: 200 **समय : 2 घंटे**

इस प्रश्नपत्र में निम्नलिखित विषयों में से सौ वैकल्पिक प्रश्न पूछे जाएंगे तथा प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। अभ्यर्थी को सभी प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

(A) भारत का इतिहास 15 प्रश्न

1. प्राचीन भारत (5 प्रश्न)
2. मध्यकालीन भारत (5 प्रश्न)
3. आधुनिक (5 प्रश्न)

(B) भारत का भूगोल 10 प्रश्न

1. सामान्य भूगोल (3 प्रश्न)
2. भौतिक भूगोल (3 प्रश्न)
3. आर्थिक भूगोल (2 प्रश्न)
4. सामाजिक तथा जनसांख्यिकीय भूगोल (2 प्रश्न)

(C) भारतीय राजनीति एवं व्यवस्था 10 प्रश्न

1. भारत का संविधान (4 प्रश्न)
2. लोक प्रशासन तथा सुशासन (4 प्रश्न)
3. विकेंद्रीकरण: पंचायतें तथा नगरपालिकाएँ (2 प्रश्न)

(D) आर्थिक एवं सतत विकास 10 प्रश्न

1. भारतीय अर्थव्यवस्था की मूल विशेषताएँ (4 प्रश्न)
2. सतत विकास तथा आर्थिक मुद्दें (4 प्रश्न)
3. आर्थिक सुधार तथा वैश्वीकरण (2 प्रश्न)

(E) विज्ञान एवं प्रौद्योगिक 15 प्रश्न

- सामान्य विज्ञान (6 प्रश्न)
- कृषि तथा तकनीकी विकास (6 प्रश्न)
- सूचना तथा संचार विकास (3 प्रश्न)

(F) झारखण्ड विशिष्ट प्रश्न (इसके इतिहास, समाज, संस्कृति तथा विरासत की सामान्य समझ) 10 प्रश्न

(G) राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय समसामयिकी 15 प्रश्न

(H) विविध स्वरूप के सामान्य प्रश्न (इन प्रश्नों हेतु विषय विशेषज्ञता की आवश्यकता नहीं है) 15 प्रश्न

- मानव अधिकार
- पर्यावरण सुरक्षा, जैव-विविधता एवं जलवायु परिवर्तन
- खेल
- शहरीकरण
- आपदा प्रबंधन
- गरीबी तथा बेरोज़गारी
- पुरस्कार
- सयुक्त राष्ट्र तथा अन्य अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियाँ

सामान्य अध्ययन पेपर-II

पूर्णांक: 200 **समय : 2 घंटे**

इस पत्र में 100 बहुवैकल्पिक/वस्तुपरक (Objective types) प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा। सभी प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा।

A. झारखण्ड का इतिहास:- 8 प्रश्न $8 \times 2 = 16$

(क) मुण्डा शासन व्यवस्था -(1 प्रश्न)

(ख) नागवंशी शासन व्यवस्था -(1 प्रश्न)

(ग) पड़हा पंचायत शासन व्यवस्था -(1 प्रश्न)

(घ) मांझी परगना शासन व्यवस्था -(1 प्रश्न)

(ङ) मुण्डा मानकी शासन व्यवस्था -(1 प्रश्न)

(च) ढ़ोकलो सोहोर शासन व्यवस्था -(1 प्रश्न)

(छ) जातीय पंचायत शासन व्यवस्था -(2 प्रश्न)

B. झारखण्ड आन्दोलनः- -(7 प्रश्न) $7 \times 2 = 14$

(क) झारखण्ड के सदान -(1 प्रश्न)

(ख) झारखण्ड के आदिवासी -(1 प्रश्न)

(ग) झारखण्ड के स्वतंत्रता सेनानी -(1 प्रश्न)

(घ) झारखण्ड के विभूति -(2 प्रश्न)

(ङ) झारखण्ड आन्दोलन एवं राज्य गठन -(2 प्रश्न)

C. झारखण्ड की विशिष्ट पहचानः- - (5 प्रश्न) $5 \times 2 = 10$

(क) झारखण्ड की सामाजिक स्थिति -(1 प्रश्न)

(ख) झारखण्ड की सांस्कृति स्थिति -(1 प्रश्न)

(ग) झारखण्ड की राजनीतिक स्थिति -(1 प्रश्न)

(घ) झारखण्ड की आर्थिक स्थिति -(1 प्रश्न)

(ङ) झारखण्ड की धार्मिक विशिष्टताएँ एवं पहचान -(1 प्रश्न)

D. झारखण्ड का लोक साहित्य, नृत्य, संगीत, वाद्य, दर्शनीय स्थल एवं आदिवासी संस्कृतिः- - (5 प्रश्न) $5 \times 2 = 10$

(क) लोक साहित्य -(1 प्रश्न)

(ख) पारंपरिक कला एवं लोक नृत्य -(1 प्रश्न)

(ग) लोक संगीत एवं वाद्य -(1 प्रश्न)

(घ) दर्शनीय स्थल-प्राकृतिक, पुरातात्विक, ऐतिहासिक धार्मिक एवं आधुनिक स्थल -(1 प्रश्न)

(ङ) आदिवासी-जाति-प्रजाति एवं विशेषताएँ -(1 प्रश्न)

E. झारखण्डी साहित्य और साहित्यकार $5 \times 2 = 10$

झारखण्डी साहित्य एवं साहित्यकार -(5 प्रश्न)

F. झारखण्ड के प्रमुख शिक्षण संस्थान $3 \times 2 = 6$

प्रमुख शिक्षण संस्थान -(3 प्रश्न)

G. झारखण्ड के खेल-कूद -(5 प्रश्न) $5 \times 2 = 10$

H. झारखण्ड के भूमि सम्बन्धी कानून/अधिनियमः- $12 \times 2 = 24$

(क) छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (C.N.T) -(5 प्रश्न)

(ख) संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम (SP.T.) -(5 प्रश्न)

(ग) अन्य राज्य परक अधिनियम -(2 प्रश्न)

I. 1947 से राज्य में आर्थिक विकास का इतिहास झारखण्ड का भूगोल- जंगल, नदी, पहाड़-पर्वत, खान- खनिज आदि- (10- प्रश्न) $10 \times 2 = 20$

J. झारखण्ड की औद्योगिक नीति, विस्थापन और पुनर्वास नीति एवं अन्य नीतियाँ- (6 प्रश्न) $6 \times 2 = 12$

K. झारखण्ड के प्रमुख उद्योग का नाम और स्थान तथा औद्योगिक विकास- (5 प्रश्न) $5 \times 2 = 10$

L. झारखण्ड के प्रमुख योजनाएँ एवं उपयोजनाएँ - (5 प्रश्न) $5 \times 2 = 10$

M. झारखण्ड में जंगल प्रबंधन एवं वन्य जंतु संरक्षण कार्य -(5 प्रश्न) $5 \times 2 = 10$

N. झारखण्ड राज्य के पर्यावरण संबंधी तथ्य, हो रहे पर्यावरण परिवर्तन एवं उसके अपशमन (Mitigation) एवं अनुकूल (Adaptation) संबंधी विषय -(7 प्रश्न) $7 \times 2 = 14$

O. झारखण्ड में आपदा प्रबंधन -(5 प्रश्न) $5 \times 2 = 10$

P. झारखण्ड से संबंधित विविध तथ्यों एवं समसामयिक घटनाएँ -(7 प्रश्न) $7 \times 2 = 14$

झारखण्ड लोक सेवा की मुख्य परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम

मुख्य परीक्षा में छह अनिवार्य प्रश्न-पत्र शामिल होंगे। ये प्रश्न पत्र सभी अभ्यर्थियों के लिये समान होंगे। इनमें से दो प्रश्न पत्र- प्रथम (100 अंक) तथा प्रश्न पत्र-द्वितीय (150 अंक) भाषा आधारित तथा अन्य चार प्रश्न पत्र (प्रत्येक 200 अंक) विषय आधारित होंगे। भाषा आधारित प्रश्न पत्र में निम्न विषय शामिल होंगे-(1) सामान्य हिंदी तथा सामान्य अंग्रेज़ी का एक प्रश्न पत्र (2) कुछ निश्चित भाषाओं सहित भाषा तथा साहित्य का प्रश्न पत्र, जिसमें प्रत्येक अभ्यर्थी को एक भाषा का चुनाव करना होगा। इसके अतिरिक्त विषय आधारित प्रश्न पत्र में निम्न विषय शामिल होंगे- (1) सामाजिक विज्ञान (इतिहास तथा भूगोल), (2) भारतीय संविधान, राजव्यवस्था, लोक प्रशासन एवं सुशासन, (3) भारतीय अर्थव्यवस्था, वैश्वीकरण तथा सतत विकास और (4) सामान्य विज्ञान, पर्यावरण एवं प्रौद्योगिकी विकास।

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण इस प्रकार है

प्रश्न पत्र-प्रथम

सामान्य हिंदी एवं सामान्य अंग्रेज़ी

कुल अंक: 100 **समय : 3 घंटे**

सामान्य हिंदी तथा सामान्य अंग्रेज़ी का प्रश्न पत्र दो खण्डों से मिलकर बनेगा। इनके नाम क्रमशः हिंदी तथा अंग्रेज़ी होंगे। इन दोनों खंडों के लिये बराबर अंक (प्रत्येक के लिये 50 अंक) निर्धारित किये गए हैं। इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य इन दोनों भाषाओं में अभ्यर्थी के कार्य ज्ञान का परीक्षण करना है। इस प्रश्न पत्र के दोनों खंडों में से पूछे जाने वाले प्रश्न दसवीं स्तर के होंगे तथा निम्न क्षेत्रों तक ही सीमित होंगे-

(अ) सामान्य हिंदी: 50 अंक

(क) निबंध (400 शब्दों का)	15 अंक
(ख) व्याकरण	15 अंक
(ग) वाक्य विन्यास	10 अंक
(घ) संक्षेपण	10 अंक

(ब) सामान्य अंग्रेज़ी: 50 अंक

1. Essay (400 words)	15 marks
2. Grammar	15 marks
3. Comprehension	10 marks
4. Precis	10 marks

यह केवल एक अर्हकारी प्रश्न पत्र है जिसमे 100 अंकों में से सभी (संयुक्त हिंदी व अंग्रेज़ी दोनों) अभ्यर्थियों को केवल 30 अंक प्राप्त करने हैं। अतः सामान्य अंग्रेज़ी में 50 अंकों का समावेश हिंदी/स्थानीय भाषा के आधार वाले विद्यार्थियों के चुनाव को प्रभावित नहीं करेगा।

प्रश्न पत्र-द्वितीय

भाषा एवं साहित्य

कुल अंक: 150 **समय : 3 घंटे**

इस प्रश्न पत्र में अभ्यर्थी को निम्नलिखित भाषाओं एवं साहित्यों में से किसी एक का चुनाव करना है-

1. ओडिया भाषा एवं साहित्य
2. बंगाली भाषा एवं साहित्य
3. उर्दू भाषा एवं साहित्य
4. संस्कृत भाषा एवं साहित्य
5. अंग्रेज़ी भाषा एवं साहित्य
6. हिंदी भाषा एवं साहित्य
7. संथाली भाषा एवं साहित्य

8. पंचपरगनिया भाषा एवं साहित्य
9. नागपुरी भाषा एवं साहित्य
10. मुंडारी भाषा एवं साहित्य
11. कुँड़ुख़ भाषा एवं साहित्य
12. कुरमाली भाषा एवं साहित्य
13. खोरठा भाषा एवं साहित्य
14. खड़िया भाषा एवं साहित्य
15. हो भाषा एवं साहित्य

इस प्रश्न पत्र के लिये अधिकतम निर्धारित अंक 150 हैं तथा इस प्रश्न पत्र में प्राप्त अंकों को मुख्य परीक्षा की उन्नयन सूची को तैयार करने हेतु गिना जाएगा।

उडिया पाठ्यक्रम
(For JPSC Main Examination)

पूर्ण संख्याः 150 **समय : 3 घंटे**

खण्ड - क **(75 marks)**

1. भाषाः
   (i) ओडिया भाषा की उत्पत्ति और क्रम विकास
   (ii) ओडिया अभिलेख का ऐतिहासिक और भाषा तात्विक अध्ययन
   (iii) ओडिया भाषा का मानकीकरण एवं व्याकरणिक संरचना
   (iv) ओडिया लिपि उत्पत्ति और क्रम विकास
   (v) ओडिया भाषा के ऊपर अन्याय भाषाओं का प्रभाव
2. व्याकरणः
   विशेष्यः विशेषण, सर्वनाम, लिंग, वचन, पुरुष, कारक, विभक्ति, अव्यय, क्रिया, संधि,
   समास रूढ़ि प्रयोग, विपरीतार्थक शब्द।
   अलंकार अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, उतप्रेक्षा, व्यतिरेक, विभावना, विशेषोक्ति
3. ओडिया साहित्य का इतिहासः
   (i) विभिन्न युग में ओडिया पद्य साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।
   (ii) ओडिया गद्य साहित्य का क्रम विकास - शिलालेख के गद्य से आधुनिक गद्य साहित्य तक।
   (iii) ओडिया उपन्यास साहित्य का उद्‌भव और क्रम विकास।
   (iv) ओडिया नाट्य साहित्य का उद्‌भव और क्रम विकास।

खण्ड - ख **(75 marks)**

4. पद्य साहित्यः
   (i) जगन्नाथ दास "श्रीमद्‌भागवत्" एकादश स्कन्द (प्रथम पाँच सर्ग)
   (ii) दिनकृष्ण दास "रसकल्लोल" (छन्द संख्या 1, 2, 5, 33 और 34)
   (iii) गंगाधर मेहेर - तपस्विनी
   (iv) गोपबंधु दास - कारा-कविता
   (v) सच्चिदानन्द राउतराय - बाजिराउत
5. <u>गद्य साहित्यः</u>
   (i) फकीर मोहन सेनापति - छमाण आठगुणु
   (ii) गोपीनाथ महान्ति - परजा
   (iii) कालिन्दीचरण पाणिग्राही - गाटिर मणिष
   (iv) फकीर मोहन सेनापति - गल्प स्वल्प (प्रथम भाग)

6. निबंध:

समसामयिक समस्या विषय पर ओडिया भाषा (देवनागरी लिपि) में निबंध लेखन

7. नाट्य साहित्य:

(i) अश्विनी कुमार घोष – कोणार्क

(ii) रामचन्द्र मिश्र – घर संसार

(iii) गोपाल छोटराय – भरसा

8. आलोचना:

(i) सारला साहित्य मे समाजचित्र

(ii) रीतिकवि अभिमन्यु सामन्त सिहार

(iii) रोमांटिक कवि राधानाथ राय

(iv) फकीर मोहन सेनापति

(v) जातीय कवि गोपबंधु

9. संक्षेपण:

झारखण्ड लोक सेवा आयोग, मुख्य परीक्षा पत्र-II

बंगाली भाषा तथा साहित्य

कुल अंक: 150 **समय : 3 घंटे**

भाग-1

(1) बंगाली भाषा का इतिहास

(i) बंगाली भाषा की उत्पत्ति और विकास

(ii) बंगाली लिपि की उत्पत्ति और विकास

(iii) पुराने आर्य, मध्य इंडो आर्य, आधुनिक इंडो बंगाली भाषा की उत्पत्ति और विकास

(iv) आद्य इंडो यूरोपीय से बंग्ला तक का कालक्रमबद्ध पथ (शाखाओं सहित वृक्ष के वंशों के नाम तथा उनकी अनुमानित दिनांक)

(2) बंगाली उपभाषा शब्द भंडार, ध्वनि परिवर्तन सूत्र

(3) बंगाली साहित्य का इतिहास

(i) चर्यपदा

(ii) अंधकार युग

(iii) कृतिबास

(iv) मालाधार बासु

(v) श्रीकृष्ण कीर्तन ओ चंडीदास

(vi) विद्यापति

भाग-2

(4) गद्य, काव्य, नाटक

(i) मेघनाद वध काव्य- मधुसुदन दत्त

(ii) मुचिरम गुरे जीवन चरित-बंकिमचंद्र

(iii) अचलायातम-रबीन्द्रनाथ

(iv) श्रीकांता (अवस-1)-सरतचंद्र

(v) वैष्णव पदावली (कोलकाता विश्वविद्यालय), विद्यापति की कविताएँ, चंडीदास, जनानादास, गोविन्ददास और बलरामदास।

(5) व्याकरण

(i) भावसमप्रासरण

(ii) सरंगषा

(iii) प्रतिवेदन

(6) बंग्ला साहित्य में गद्य, काव्य, नाटक, आलोचक तथा उपन्यास

(7) कथा साहित्य के महान कवि (बंकिमचंद्र, टैगोर, सरतचंद्र, बिभूतिभूषण, ताराशानर, मणिक)

झारखण्ड लोक सेवा आयोग, मुख्य परीक्षा पत्र-II
उर्दू साहित्य

कुल अंक: 150 **समय : 3 घंटे**

भाग-1

(1) उर्दू भाषा की उत्पत्ति के विषय में विभिन्न सिद्धांत।

(2) उर्दू लिपि की उत्पत्ति एवं विकास।

(3) भाषायी संबंधी लाभ

(4) उर्दू साहित्य (गद्य, उपन्यास)

(i) निर्मला - प्रेमचंद

(ii) छोटी कहानियाँ

- कालू भांगी — कृष्ण चन्द्र
- लाजवंती — राजिंदर सिंह बेदी
- खोल दो — सआदत हसन मुन्टो
- परिंदा पकड़ने वाली गाड़ी — घयास अहमद गद्दी
- श्रीमती जॉन — शीन अख्तर

भाग-2

(5) <u>उर्दू काव्य</u>

गालिब गज़ल

(i) हज़ारों ख्वाहिशें ऐसी की।

(ii) ये ना थी हमारी किस्मत।

<u>मीर तकी मीर</u>

(i) उलटी हो गईं सब तदबीरें।

(ii) शाम से कुछ बुझा सा रहता।

<u>हसरत मोहानी</u>

चुपके-चुपके रात दिन आँसू बहाना याद है।

(6) निम्नलिखित पाँच कविताएँ

(i) लेनिन खुदा के हुजूर में - इकबाल

(ii) सकुई नामा - इकबाल

(iii) नसीहत अखलाक - अकबर इलाहाबादी

(iv) बलाई ज़मीनी - वाहब दानिश

(v) अर्ताक - जमील मुजहारी

(7) उर्दू भाषा(व्याकरण)

(i) विलोम

(ii) लिंग

(iii) पत्र

(iv) आवेदन

(v) अर्थ

(vi) एकवचन-बहुवचन

(vii) सारांश

झारखण्ड लोक सेवा आयोग, मुख्य परीक्षा पत्र-II
संस्कृत भाषा एवं साहित्य

पूर्ण संख्याः 150 **समय : 3 घंटे**

खण्ड-I

(क) भाषा विज्ञान - संस्कृत भाषा का उद्भव और विकास (यूरोपीय से लेकर मध्य आर्य भाषाओं तक), भाषा की उत्पत्ति के सिद्धान्त, ध्वनि-विज्ञान, पद विज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान, अर्थ-परिवर्तन और उनके कारण।

(ख) वैदिक संस्कृत साहित्य का इतिहास - वैदिक संहिताएँ, ब्राह्मण ग्रन्थ, आरण्यक तथा उपनिषद्।

(ग) लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास- पुराण साहित्य, रामायण, महाभारत तथा परवर्ती संस्कृत साहित्य (महाकाव्य, नाटक, गद्य साहित्य, चम्पू)

(घ) संस्कृत व्याकरण - संस्कृत ध्वनियाँ, स्वर एवं व्यंजन, सन्धि, समास, कारक, उपपद विभक्ति, नामधातु कृत् प्रत्यय, तद्धित प्रत्यय, स्त्री प्रत्यय।

खण्ड-II

(ङ) संस्कृत में निबन्ध लेखन।

(च) भारतीय दर्शनों का सामान्य परिचय, आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन, वेदान्त दर्शन, सांख्य दर्शन, बौद्ध दर्शन।

(छ) भारतीय संस्कृति एवं इसकी विशेषताएँ, वर्णाश्रम व्यवस्था, संस्कार।

(ज) वाल्मीकि रामायण (किष्किन्धा काण्ड), रघुवंश (सर्ग- 6, श्लोक-1-20), श्रीमद्भवद्गीता (द्वितीय अध्याय), किरातार्जुनीयम् (सर्ग-1), कादम्बरी (शुकनाशोपदेश), मृच्छ कटिक (प्रथम अंक), उत्तर रामचरितम् (तृतीय अंक)।

JPSC Mains, Paper-11
English Language and Literature

Full Marks: 150 **Time: 3 Hours**

Part–I

(a) History of English Language:

i. Indo-European Family of Language

ii. Teutonic Verbal system, Teutonic Accent

iii. The First Sound Shifting or Grimm's Law

iv. Old English (Dialects of Old English, Characteristics of Old English, Old English Vocabulary)

v. Middle English (Dialects of Modern English; Characteristics of Middle English; Rise of Standard English)

(b) The Definiation of Poetry: its characteristics, purpose, forms of poetry-- lyric, sonnet, ode, balled, free verse, blank verse, rhymed verse, poetic terms-- alliteration, resonance, rhyme scheme, meter-- its types.

(c) Comprehension (A passage containing approximately 1000 words to be set):

(d) Grammar:

i. Noun, Verb, Adjective, Adverb, Article, Preposition, Subject-Verb Agreement, Narration, Voice, Transformation, Clause.

ii. Single-word substitution

iii. Correction of errors
iv. Pairs of words
v. Idioms and Phrases

Part–II

English Literature:

(e) History of English Literature (British, American, Colonial and Post-Colonial Writing) from the 14th century up to the 21st century:

Poetry, Drama, Prose, Novel, Criticism, Biography, Autobiography, Short-Stories (General introduction of eminent poets, dramatists, novelists, prose-writers, short-story writers, autobiographers biographers popular writers)

(f) Fiction and Drama (Critical Study and Explanation):

i. Kanthapura: Rajo Rao
ii. A Passage to India: E. M. Forster
iii. Macbeth: William Shakespeare
iv. Arms and the Man: G. B. Shaw

(g) Poetry (Critical Study and Explanation):

i. The Quality of Mercy: William Shakespeare
ii. The Little Black Boy: William Blake
iii. The Solitary Reaper: William Wordsworth
iv. Mutability: P. B. Shelley
v. I Think Continually of Those Who were Truly Great
vi. Heaven of Freedom: Rabindranath Tagore
vii. A Soul's Prayer: Sarojini Naidu

(h) Prose (Critical Study and Explanation):

i. On Habits: A. G. Gardiner
ii. India Again: E. M. Forster
iii. Playing the English Gentleman: Mahatma Gandhi
iv. Of Studies: Francis Bacon
v. Mr. Know All: Somerset Maugham
vi. The Homecoming: Rabindranath Tagore
vii. The Cherry Tree: Ruskin Bond

(i) Essay: On socio-economic or current topic.

हिन्दी भाषा एवं साहित्य

झारखण्ड लोक सेवा आयोग मुख्य परीक्षा, पत्र-II

पूर्ण संख्याः 150 **समय : 3 घंटे**

खण्ड-I

(क) **<u>हिन्दी भाषा का इतिहास:</u>** हिन्दी का उद्‌भव और विकास, अपभ्रंश, अवहट्‌ट, पुरानी हिन्दी, भाषा परिवार, भाषा परिवार का वर्गीकरण, ध्वनी विज्ञान देवनागरी लिपि का उद्‌भव और विकास, देवनागरी लिपि के गुण एवं दोष, शब्द-शक्ति, शब्द भंडार, बोलचाल की भाषा, रचनात्मक भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी।

(ख) **<u>काव्य शास्त्र:</u>** काव्य की परिभाषा, काव्य के लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य प्रयोजन, साधारणीकरण, रक्ष, छंद अलंकार

(ग) **<u>प्रयोजनमूलक हिन्दी:</u>** प्रयोजनमूलक हिन्दी, कार्यालयी हिन्दी, जनसंचार भाषा के रूप में हिन्दी, व्यवसायिक हिन्दी

(घ) **<u>व्याकरण:</u>** संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, कारक, समास, मुहावरे, उक्तियाँ, संधि विच्छेद, अनेकार्थक शब्द

(क) **<u>हिन्दी भाषा का इतिहास:</u>** हिन्दी साहित्योतिहास लेखन की समस्या एवं परम्परा, साहित्योतिहास दर्शन, काल विभाजन, आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, आधुनिक काल, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, गद्य का उद्भव और विकास, कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी, आलोचना, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्टज, आत्मकथा, जीवनी का उद्भव एवं विकास, प्रमुख कवियों कहानिकारों, उपन्यासकारों, नाटककारों, आलोचकों की रचनाओं का सामान्य परिचय

(ख) **<u>आलोचनात्मक और व्याख्यात्मक:</u>**

कबीर- कबीर ग्रंथावली सं. श्यामसुन्दर दास - प्रारंभिक 50 साखी

सूरदास-भ्रमरगीत-सं. रामचन्द्र शुक्ल-प्रारंभिक 50 पद

तुलसीदास - रामचरितमानस - अयोध्या काण्ड

बिहारी - बिहारी रत्नाकार

संपादक - जगन्नाथ दास रत्नाकार दोहा संख्या- 1, 38, 67, 70, 112, 121, 154, 191, 192, 201

जयशंकर प्रसाद-कामायनी-श्रद्धा सर्ग

निराला-राम की शक्तिपूजा

अज्ञेय-कितनी नावों में कितनी बार

दिनकर-कुरुक्षेत्र (पहला सर्ग)

मुक्तिबोध-अंधेरे में (भाग एक)

(ग) **<u>आलोचनात्मक और व्याख्यात्मक:</u>**

नाटक:

भारतेन्दु हरिशचन्द्र	- भारत दुर्दशा
जयशंकर प्रसाद	- चन्द्रगुप्त
मोहन राकेश	- आधे-अधूरे

उपन्याय:

प्रेमचन्द्र	- गोदान
फणीश्वरनाथ रेणु	- मैला आँचल
श्री लाल शुक्ल	- राग दरबारी

कहानी:

प्रेमचन्द्र	- कफ़न, ईदगाह, बूढ़ी काकी एवं नमक का दारोगा
जैनेन्द्र कुमार	- पाजेब
जयशंकर प्रसाद	- गुंडा
यशपाल	- अभिशप्त
भीष्म साहनी	- चीफ की दावत
उषा प्रियवंदा	- वापसी
ज्ञान रंजन	- पिता
ओम प्रकाश बाल्मीकि	- यह अन्त नहीं
चन्द्रधर शर्मा, गुलेरी	- उसने कहा था

(घ) **<u>निबंध</u>** : समसामयिक, सामाजिक, राजनीतिक, प्राकृतिक विषय पर निबन्ध लेखन

JPSC Mains Paper-II
SANTALI LANGUAGE-LITERATURE
संताली भाषा-साहित्य

पूर्ण संख्या: 150 **समय : 3 घंटे**

खण्ड-I

भाग - (क)

(I) संताली भाषाा का उद्‌भव और विकास।

(II) संताली भाषा की विशेषताएँ।

(III) संताली भाषा की व्याकरण-संज्ञा, सर्वनाम, वचन, पुरुष, लिंग, काल, क्रिया, विशेषण, उपसर्ग एवं प्रत्यय, कारक, जीव, अव्यय।

(IV) शब्द गठन, वाक्य संरचना एवं क्षेत्रीय रूप।

(V) लिपि का उद्‌भव विशेषताएँ विकास।

(VI) संताली भाषा के सहोदर भाषाएँ एवं सम्बन्ध।

भाग - (ख) संताली लोक साहित्य

(I) संताली लोक साहित्य का सामान्य परिचय।

(II) लोक साहित्य का भेद-उपभेद, ऐतिहासिक तथ्य, प्रकृति चित्रण, जीवन दर्शन, छंद विधान, शिल्प बिंब विधान एवं महत्त्व।

(III) संताली लोकगीत-डाहार, बाहा, काराम, दाँसाय, सोहराय, लाँगड़े, डाष्ठा, रिंजा, गोलवारी, बाप्ला।

(IV) लोक कथा- सृष्टि कथाएँ, देव कथाएँ, गोत्र कथाएँ, भाई-बहन की कथाएँ एवं जीव-जगत कथाएँ।

(V) लोक गाथा।

(VI) प्रकीर्ण साहित्य- (क) लोकोक्ति, (ख) मुहावरा, (ग) पहेली, (घ) बाल गीत, (ङ) मंत्र आदि।

भाग - (ग) संताली शिष्ट साहित्य

(I) संताली साहित्य का काल विभाजन-

1. आदिकाल - 1854 ई. के पूर्व का साहित्य।
2. मध्यकाल - 1854 ई. से 1946 ई. तक का साहित्य।
3. आधुनिक काल - 1947 ई. से अब तक का साहित्य।

(II) संताली पद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास।

(क) गीत, (ख) कविता।

(III) संताली गद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास।

(क) कहानी, (ख) उपन्यास, (ग) नाटक, (घ) आत्मकथा, (ङ) जीवनी, (च) यात्रा वृतान्त, (छ) निबंध, (ज) विविध संताली साहित्य।

(IV) पद्य एवं गद्य से सप्रसंग व्याख्या।

खण्ड-II

भाग - (घ) संताली साहित्यकार एवं साहित्य

(I) संताली साहित्य के विकास पर अन्य भारतीय साहित्यों का प्रभाव।

(II) संताली साहित्य के कुछ प्रमुख कवि, लेखक, नाटककार तथा उनकी कृत्तियों का परिचय।

1. माँझी रामदाम टुडू 'रेसका'।
2. साधु रामचाँद मुरमू।
3. पं. रघुनाथ मुरमू।

4. गोरा चाँद टुडू।
5. नारयण सोरेन 'तोडेसुताम'।
6. नाथनियल मुरमू।
7. डमन हाँसदा।
8. ठाकुर प्रसाद मुरमू।
9. दिगम्बर हाँसदा मुरमू।
10. यशोदा हाँसदा:।
11. कृष्ण चन्द्र टुडू।

भाग - (ङ) संताली निबंध

विभिन्न विषयों पर संताली भाषा (देवनागरी लिपि) में निबंध लेखन-

(I) समसामयिक विषय।
(II) सांस्कृतिक विषय।
(III) सामाजिक विषय।
(IV) आर्थिक विषय।
(V) भौगोलिक विषय।

भाग - (च) संताली संक्षेपण

किसी एक गद्यांश का संक्षेपण।

भाग - (छ) संताली भाषा अनुवाद

किसी एक हिन्दी गद्यांश का संताली में अनुवाद।

भाग - (ज) संताली अनुच्छेद

किसी एक अनुच्छेद या अवतरण पद पर संताली भाषा में तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

झारखण्ड लोक सेवा आयोग मुख्य परीक्षा, पत्र-II
पंचपरगनिया भाषा-साहित्य

पूर्ण संख्या: 150 **समय : 3 घंटे**

खण्ड - I

भाग - (क)

(I) पंचपरगनिया भाषा का उद्भव और विकास।
(II) पंचपरगनिया भाषा की विशेषताएँ।
(III) पंचपरगनिया भाषा की व्याकरण- संज्ञा, सर्वनाम, वचन, पुरुष, लिंग, काल, क्रिया, समास, विशेषण, उपसर्ग, प्रत्यय, कारक, अव्यय।
(IV) पंचपरगनिया शब्द गठन, वाक्य संरचना एवं क्षेत्रीय रूप।
(V) देवनागरी लिपि का उद्भव, विशेषताएँ तथा विकास।
(VI) पंचपरगनिया भाषा के सहोदर भाषाएँ एवं सम्बन्ध

भाग - (ख) पंचपरगनिया लोक साहित्य

(I) पंचपरगनिया लोक साहित्य का सामान्य परिचय - भेद-उपभेद, ऐतिहासिक तथ्य, प्रकृति चित्रण आदि।

(II) पंचपरगनिया लोकगीतः- जीवन दर्शन, रस छंद, अलंकार, शिल्प, बिंब विधान, (बिहा गीत, संहरइ गीत, करम गीत, पुस गीत) आदि।

(III) परंपरगनिया लोक कथाओं का उद्‌भव और विकास-सृष्टि कथाएँ, देव-देवी कथाएँ, गोत्र कथाएँ, भाई-बहन की कथाएँ, पेड-पौधे एवं जीव-जन्तु आदि की कथाएँ।

(IV) पंचपरगनिया लोक- गाथा :

(V) पंचपरगनिया प्रकीर्ण साहित्य।

भाग - (ग) पंचपरगनिया शिष्ट साहित्य

(I) पंचपरगनिया साहित्य का काल विभाजन-

1. आदिकाल 2. मध्यकाल 3. आधुनिक काल 4. अत्याधुनिक काल

(II) पंचपरगनिया पद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास।

1. गीत 2. कविता 3. खण्ड काव्य 4. महाकाव्य।

(III) पंचपरगनिया गद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास-

1. कहानी 2. उपन्यास 3. नाटक 4. आत्मकथा 5. जीवनी
6. यात्रा वृतान्त 7. निबंध 8. संस्मरण 9. रेखा चित्र 10. आलोचना।

(IV) पंचपरगनिया पद्य एवं गद्य से सप्रसंग व्याख्या

1. पद्य अंश - 10 अंक।
2. गद्य अंश - 10 अंक।

खण्ड-II

भाग - (घ) पंचपरगनिया साहित्यकार एवं साहित्य

(I) पंचपरगनिया साहित्य के विकास पर अन्य भारतीय साहित्यों का प्रभाव।

(II) पंचपरगनिया साहित्य के प्रमुख कवि, लेखक, नाटककार, की कृत्तियों का परिचयः

बजुराम, भवप्रीतानन्द ओझा, रामकृष्ण गांगुलि, विनन्द सिंह, ज्योतिलाल महादानी, परमानन्द महतो, राजकिशोर सिंह, सृष्टिधर महतो, दीनबन्धु महतो, संतोष साहु प्रीतम।

भाग - (ङ) पंचपरगनिया निबंध

निम्नलिखित विषयों में से देवनागरी लिपि में निबंध लेखन

(I) समसामयिक विषय,

(II) सांस्कृतिक विषय

(III) सामाजिक विषय,

(IV) पारंपरिक कलाएँ

(V) आर्थिक विषय,

(VI) भौगोलिक विषय।

भाग - (च) पंचपरगनिया संक्षेपण

इस खण्ड में गद्यांश का शीर्षक एवं संक्षेपण करना होगा।

भाग - (छ) पंचपरगनिया भाषा अनुवाद

इस खण्ड में गद्यांश का पंचपरगनिया में अनुवाद करना होगा।

भाग - (ज) अवतरण/अनुच्छेद

इस खण्ड में दिये गए अनुच्छेद/अवतरण को पढ़ कर पंचपरगनिया भाषा में तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

झारखण्ड लोक सेवा आयोग मुख्य परीक्षा, पत्र-II

नागपुरी भाषा-साहित्य

पूर्ण संख्या: 150 **समय : 3 घंटे**

खण्ड-I

भाग - (क)

(I) नागपुरी भाषा का उद्‌भव और विकास।

(II) नागपुरी भाषा की विशेषताएँ।

(III) नागपुरी भाषा की व्याकरण-वर्ण, संज्ञा, सर्वनाम, वचन, पुरुष, लिंग, काल, क्रिया विशेषण, विशेषण, उपसर्ग, प्रत्यय, कारक, अव्यय।

(IV) वाक्य संरचना एवं भेद।

(V) देवनागरी लिपि का उद्‌भव और विकास तथा विशेषताएँ।

भाग - (ख) नागपुरी लोक साहित्य

(I) नागपुरी लोक साहित्य का सामान्य परिचय।

(II) नागपुरी लोक साहित्य के भेद-उपभेद, ऐतिहासिक तथ्य, प्रकृति चित्रण, जीवन दर्शन, राग-छंद, शिल्प-शैली, बिम्ब एवं प्रतीक विधान।

(III) नागपुरी लोकगीत-झुमइर, मरर्दानी झुमइर, जनी झुमइर, बंगला झुमइर, पावस, उदासी, फगुआ, पंचरंगी पुछारी, झुमटा, लहसुआ आदि।

(IV) नागपुरी लोक कथाओं का उद्‌भव और विकास- सृष्टि कथाएँ, पशु-पक्षी की कथाएँ, भाई-बहन की कथाएँ, प्रेम कथाएँ, मिथ, लिजेंड अन्य कथाएँ आदि।

(V) नागपुरी का प्रकीर्ण साहित्य- (1) लोकोक्ति (2) मुहावरा (3) बुझौवल (पहेली), (4) बाल गीत (5) खेल गीत एवं मंत्र।

भाग - (ग) पंचपरगनिया शिष्ट साहित्य

(I) नागपुरी साहित्य का काल विभाजन-

1. आदिकाल 2. मध्यकाल 3. आधुनिक काल

(II) नागपुरी पद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास।

1. गीत 2. कविता 3. खण्ड काव्य 4. महाकाव्य।

(III) नागपुरी गद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास-

1. कहानी 2. उपन्यास 3. नाटक 4. आत्मकथा 5. जीवनी
6. यात्रा वृतान्त 7. निबंध 8. समीक्षा (आलोचना) 9. हास्य-काव्य एवं विविध गद्य साहित्य।

(IV) पद्य एवं गद्य से सप्रसंग व्याख्या - (वन केंवरा- भाग-2 शंकुतला मिश्र एवं डॉ. उमेश नन्द तिवारी द्वारा संपादित पुस्तक से।)

खण्ड-II

भाग - (घ) नागपुरी साहित्यकार एवं साहित्य

(I) नागपुरी साहित्य के कुछ प्रमुख कवि, लेखक, नाटककार, समीक्षक तथा उनकी कृत्तियों का परिचय:- हनुमान सिंह, सोबरन साय, महंत घासी, घासीराम, कंचन, धनीराम बक्शी, पीटर शांति नवरंगी, योगेन्द्र नाथ तिवारी, प्रफुल्ल कुमार राय, शारदा प्रसाद शर्मा, सहनी उपेन्द्रपाल नहन, विसेश्वर प्रसाद केशरी, नईमउद्दीन मिरदाहा, लाल रण विजय नाथ शाहदेव, मधु मंसुरी हंसमुख, मुकुन्द नायक, प्रमोद कुमार राय, सी.डी. सिंह, कृष्ण प्रसाद साहू, कलाधर, गिरिधारी राम गौंझू।

(II) नागपुरी साहित्य के विकास पर अन्य भारतीय साहित्यों का प्रभाव।

भाग - (ङ) नागपुरी निबंध

निम्नलिखित विषयों में से देवनागरी लिपि में निबंध लेखन

(I) समसामयिक विषय,

(II) सांस्कृतिक विषय

(III) सामाजिक विषय,

(IV) पारंपरिक कलाएँ

(V) अखरा कला - गीत, वाद्य एवं नृत्य,

(VI) झारखण्ड से संबंधित इतिहास एवं भूगोल।

भाग - (च) नागपुरी में संक्षेपण

दिये गए गद्यांश का शीर्षक एवं संक्षेपण करना होगा।

भाग - (छ) नागपुरी भाषा में अनुवाद

दिये गए गद्यांश का नागपुरी में अनुवाद करना होगा।

भाग - (ज) नागपुरी अनुच्छेद से प्रश्न

दिये गए अनुच्छेद को पढ़ कर नागपुरी भाषा में दिये गए पाँच प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

झारखण्ड लोक सेवा आयोग मुख्य परीक्षा, पत्र-II

मुण्डारी भाषा-साहित्य

पूर्ण संख्याः 150 **समय : 3 घंटे**

खण्ड-I

भाग - (क)

(I) मुण्डारी भाषा का उद्‌भव और विकास।

(II) मुण्डारी भाषा की विशेषताएँ।

(III) मुण्डारी भाषा की व्याकरण- संज्ञा, सर्वनाम, वचन, पुरुष, लिंग, काल, क्रिया, विशेषण, उपसर्ग, प्रत्यय, कारक, अव्यय।

(IV) शब्द गठन, वाक्य संरचना एवं क्षेत्रीय रूप।

(V) देवनागरी लिपि एवं मुण्डारी लिपि का उद्‌भव, विशेषताएँ तथा विकास।

भाग - (ख) मुण्डारी लोक साहित्य

(I) मुण्डारी लोक साहित्य का सामान्य परिचय, भेद-उपभेद, ऐतिहासिक तथ्य, प्रकृति चित्रण।

(II) मुण्डारी लोकगीत-जीवन दर्शन, रस, अलंकार, लोकगीत - जदुर, करम, विवाह गीत।

(III) मुण्डारी लोक कथाओं का उद्‌भव और विकास - सृष्टि कथाएँ, देव-देवी कथाएँ, गोत्र कथाएँ, भाई-बहन की कथाएँ, पेड़-पौधे की कथाएँ एवं जीव-जन्तु की कथाएँ आदि।

(IV) मुण्डारी का प्रकीर्ण साहित्य- (1) लोकोक्ति (2) मुहावरा (3) पहेली (4) बाल गीत (5) खेल गीत।

भाग - (ग) मुण्डारी शिष्ट साहित्य

(I) मुण्डारी साहित्य का काल विभाजन-

1. आदिकाल 2. मध्यकाल 3. आधुनिक काल

(II) मुण्डारी पद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास-

1. गीत 2. कविता

(III) मुण्डारी गद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास-

1. कहानी 2. उपन्यास 3. नाटक 4. आत्मकथा 5. जीवनी
6. यात्रा वृतान्त 7. निबंध 8. विविध मुण्डारी साहित्य।

(IV) पद्य एवं गद्य से सप्रसंग व्याख्या।

खण्ड-II

भाग - (घ) मुण्डारी साहित्यकार एवं साहित्य

(I) मुण्डारी साहित्य के विकास पर अन्य भारतीय साहित्यों का प्रभाव।

(II) मुण्डारी साहित्य के कुछ प्रमुख कवि, लेखक, नाटककार, समीक्षक तथा उनकी कृत्तियों का परिचय।

1. डॉ. रामदयाल मुण्डा।
2. प्रो. दुलय चन्द्र मुण्डा।
3. काण्डे मुण्डा।
4. बुदू बाबू - प्रीत पाला, रामायण पाला।

भाग - (ङ) मुण्डारी निबंध

निम्नलिखित विषयों पर मुण्डारी (देवनागरी लिपि) में निबंध लेखन

(I) समसामयिक विषय,

(II) सांस्कृतिक विषय

(III) सामाजिक विषय,

(IV) आर्थिक विषय

(V) भौगोलिक विषय।

भाग - (च) मुण्डारी भाषा संक्षेपण

किसी एक गद्यांश का संक्षेपण।

भाग - (छ) मुण्डारी भाषा अनुवाद

किसी एक हिन्दी गद्यांश का मुण्डारी में अनुवाद।

भाग - (ज) मुण्डारी अनुच्छेद से प्रश्न

किसी एक अनुच्छेद या अवतरण को पढ़कर मुण्डारी भाषा में तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

झारखण्ड लोक सेवा आयोग, मुख्य परीक्षा, पत्र-II

कुँड़ुख़ भाषा-साहित्य

पूर्ण संख्याः 150 **समय : 3 घंटे**

खण्ड-I

भाग - (क)

(I) कुँड़ुख़ भाषा का उद्‌भव और विकास।

(II) कुँड़ुख़ भाषा की विशेषताएँ।

(III) कुँड़ुख़ भाषा की व्याकरण- संज्ञा, सर्वनाम, वचन, पुरुष, लिंग, काल, क्रिया, विशेषण, उपसर्ग एवं प्रत्यय, कारक, जीव, अव्यय।

(IV) शब्द गठन, वाक्य संरचना एवं क्षेत्रीय रूप।

(V) देवनागरी लिपि एवं तोलोंगसिकी लिपि का उद्‌भव, विकास, विषेताएँ।

(VI) कुँडुख़ भाषा की सहोदर भाषाएँ एवं संबंध।

भाग - (ख) कुँडुख़ लोक साहित्य

(I) कुँडुख़ लोक साहित्य का सामान्य परिचय।

(II) लोक साहित्य का भेद-उपभेद, ऐतिहासिक तथ्य, प्रकृति चित्रण आदि जीवन दर्शन, छंद

(III) कुँडुख़ लोक गीत - खद्दी, राजी करम, धुड़िया करम, जेठ जतरा, कार्तिक जतरा, जदुरा, असारी, सवनिया, माठा, बरोया, बेंजा आदि तथा आधुनिक कविताएँ।

(IV) लोक कथा - सृष्टि कथाएँ - डण्डा कट्‌टना की कथा, गोत्र कथाएँ, भाई-बहन की कथाएँ एवं जीव-जगत की कथाएँ।

(V) प्रकीर्ण साहित्य - 1. लोकोक्ति 2. मुहावरा 3. पहेली 4. बाल गीत 5. मंत्र आदि।

भाग - (ग) कुँडुख़ शिष्ट साहित्य

(I) कुँडुख़ साहित्य का काल विभाजन-

1. आदिकाल - 1868-1900
2. मध्यकाल - 1901-1951
3. आधुनिक काल - 1952 - अब तक

(II) कुँडुख़ पद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास।

1. गीत 2. कविता

(III) कुँडुख़ गद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास-

कहानी, नाटक, उपन्यास, आत्मकथा, जीवनी, यात्रा वृतान्त, निबंध एवं विविध कुँडुख़ साहित्य।

(IV) गद्य एवं पद्य से सप्रसंग व्याख्या।

खण्ड-II

भाग - (घ) कुँडुख़ साहित्यकार एवं साहित्य

(I) कुँडुख़ साहित्य के विकास पर अन्य भारतीय साहित्यों का प्रभाव।

(II) कुँडुख़ साहित्य के कुछ प्रमुख कवि, लेखक, नाटककार, समीक्षक तथा उनकी कृत्तियों का परिचय।

1. दवले कुजूर
2. इग्नेस कुजूर
3. अहलाद तिर्की
4. बिहारी लकड़ा
5. पी. सी. बेक
6. डॉ. निर्मल मिंज
7. अलबिनुस मिंज
8. शांति प्रकाश प्रबल बाखला
9. इंद्रजीत उराँव
10. भिखराम भगत

भाग - (ङ) कुँडुख़ निबंध

विभिन्न विषयों पर कुँडुख़ भाषा (देवनागरी लिपि) में निबंध लेखन

(I) समसामयिक विषय,

(II) सांस्कृतिक विषय

(III) सामाजिक विषय,

(IV) आर्थिक विषय

(V) भौगोलिक विषय

(VI) राजनैतिक विषय

भाग - (च) कुँड़ुख़ भाषा संक्षेपण

1. किसी एक गद्यांश का संक्षेपण

भाग - (छ) कुँड़ुख़ भाषा अनुवाद

किसी एक हिन्दी गद्यांश का कुँड़ुख़ में अनुवाद।

भाग - (ज) कुँड़ुख़ अनुच्छेद से प्रश्न

किसी एक अनुच्छेद या अवतरण को पढ़ कर कुँड़ुख़ भाषा में तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

झारखण्ड लोक सेवा आयोग मुख्य परीक्षा, पत्र-II

कुरमाली भाषा-साहित्य

पूर्ण संख्याः 150 **समय : 3 घंटे**

खण्ड-I

भाग - (क)

(I) कुरमाली भाषा का उद्‌भव और विकास।

(II) कुरमाली भाषा की प्रकृति एवं विशेषताएँ।

(III) कुरमाली भाषा का स्थानीय विभिन्नताएँ।

(IV) देवनागरी लिपि का उद्‌भव, विशेषताएँ तथा विकास।

(V) कुरमाली भाषा की व्याकरण एवं वाक्य संरचना।

भाग - (ख) कुरमाली लोक साहित्य

(I) कुरमाली लोक साहित्य : कुरमाली के लोक गीत, मुहावरे, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ।

(II) कुरमाली लोक कथा : वर्गीकरण एवं महत्त्व।

(III) कुरमाली लोक नाट्य

भाग - (ग) कुरमाली शिष्ट साहित्य

(I) कुरमाली साहित्य का काल-विभाजन विशेषताएँ एवं प्रवृत्तियाँ

1. आदिकाल 2. मध्यकाल 3. आधुनिक काल

(II) कुरमाली पद्य साहित्य का विकास : कालक्रमानुसार काव्य की विशेषताएँ, आधुनिक गीत, आधुनिक काव्य/कविता की प्रवृत्तियाँ।

(III) कुरमाली गद्य साहित्य का विकास-

1. कहानी 2. उपन्यास 3. नाटक 4. निबंध 5. संस्मरण एवं 6. आलोचना।

(IV) सप्रसंग व्याख्या :

1. पद्य भाग
2. गद्य भाग

खण्ड-II

भाग - (घ) कुरमाली साहित्य एवं साहित्यकार

(I) कुरमाली साहित्य के प्रमुख कवि, लेखक, नाटककार की कृत्तियों का परिचय : डॉ. नन्दकिशोर सिंह, वसन्त कुमार मेहता, लखीकान्त मुतरूवार, केशव चन्द्र महतो, कालिपदो महतो, खुदिराम महतो, सुरेन्द्रनाथ महतो, अनन्त महतो, डॉ. मानसिंह महतो, डॉ. हरदेव नारायण सिंह।

(II) कुरमाली साहित्य के विकास पर अन्य साहित्यों का प्रभाव।

भाग - (ङ) कुरमाली निबंध लेखन

निम्नलिखित विषयों पर कुरमाली भाषा (देवनागरी लिपि) में निबंध लेखन :

(I) समसामयिक विषय,

(II) सांस्कृतिक विषय

(III) सामाजिक विषय,

(IV) आर्थिक

भाग - (च) कुरमाली भाषा संक्षेपण

संक्षेपण।

भाग - (छ) कुरमाली भाषा अनुवाद

अनुवादः हिन्दी से कुरमाली में या कुरमाली से हिन्दी में।

भाग - (ज) कुरमाली अनुच्छेद से प्रश्न

अलक्षित अवतरण से प्रश्न।

झारखण्ड लोक सेवा आयोग मुख्य परीक्षा, पत्र-II

खोरठा भाषा-साहित्य

पूर्ण संख्याः 150 **समय : 3 घंटे**

खण्ड-I

भाग - (क) खोरठा भाषाः

(I) खोरठा भाषा का उद्‌भव और विकास।

(II) खोरठा भाषा की विशेषताएँ।

(III) खोरठा भाषा की व्याकरण-संज्ञा, सर्वनाम, वचन, पुरुष, लिंग-निर्णय, काल, क्रिया, विशेषण, उपसर्ग, प्रत्यय, कारक।

(IV) शब्द गठन एवं वाक्य संरचना एवं क्षेत्रीय रूप, मानकीकरण।

(V) लिपि समस्या, विशेषताएँ तथा विकास।

(VI) खोरठा भाषा का झारखण्ड की अन्य भाषाओं से संबंध एवं विभिन्नता।

भाग - (ख) खोरठा लोक साहित्य

(I) खोरठा लोक साहित्य का सामान्य परिचय, विशेषताएँ एवं महत्त्व।

(II) खोरठा लोक गीत की परिभाषा, विशेषताएँ एवं महत्त्व, खोरठा लोक गीतों का वर्गीकरण, लोक गीतों में विविध-चित्रण।

(III) खोरठा लोक कथाओं का उद्‌भव और विकास, वर्गीकरण एवं महत्त्व।

(IV) लोकगाथा।

(V) खोरठा प्रकीर्ण साहित्य- (क) लोकोक्ति, (ख) मुहावरा, (ग) पहेली, (घ) मंत्र।

भाग - (ग) खोरठा शिष्ट साहित्य

(I) खोरठा साहित्य का काल विभाजन-

1. आदिकाल 2. मध्यकाल 3. आधुनिक काल

(II) खोरठा पद्य साहित्य का उद्‌भव एवं विकास।

1. गीत, 2. कविता।

(III) खोरठा गद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास-

1. कहानी 2. उपन्यास 3. नाटक 4. आत्मकथा 5. जीवनी 6. यात्रा वृतान्त।
7. निबंध 8. शब्द चित्र 9. संस्मरण।

खण्ड-II

भाग - (घ) खोरठा साहित्यकार एवं साहित्य

(I) खोरठा साहित्य के विकास पर अन्य भारतीय साहित्यों का प्रभाव।

(II) खोरठा भाषा साहित्य के प्रमुख कवि, लेखकों, कालाकारों की कृत्तियों का परिचय - श्रीनिवास पानुरी, भुवनेश्वर दत्त शर्मा "व्याकुल", ए.के. झा, श्याम सुन्दर महतो, विश्वनाथ दसौधी राज, विश्वनाथ नागर, शिवनाथ प्रमाणिक, कुमारी शशि, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. वी.एन. ओहदार।

भाग - (ङ) खोरठा निंबध

निम्नलिखित विषयों पर देवनागरी लिपि में निबंध लेखन

(I) समसामयिक विषय पर निबंध,

(II) सांस्कृतिक विषय

(III) सामाजिक विषय,

(IV) आर्थिक विषय,

(V) भौगोलिक विषय।

भाग - (च) खोरठा भाषा संक्षेपण

दिये गए गद्यांश का शीर्षक एवं संक्षेपण करना होगा।

भाग - (छ) खोरठा गद्यांश

इस भाग में परीक्षार्थियों को दिये गए हिन्दी गद्यांश का खोरठा भाषा (देवनागरी लिपि) मे अनुवाद।

भाग - (ज) खोरठा अनुच्छेद से प्रश्न

इस भाग में परीक्षार्थियों को दिये गए अनुच्छेद/अवतरण पढ़ कर खोरठा भाषा में तीन प्रश्नों के उत्तर देने होगे।

झारखण्ड लोक सेवा आयोग मुख्य परीक्षा, पत्र-II

खड़िया भाषा-साहित्य

पूर्ण संख्या: 150 **समय : 3 घंटे**

खण्ड-I

भाग - (क) खड़िया भाषा

(I) खड़िया भाषा का उद्‌भव और विकास।

(II) खड़िया भाषा की विशेषताएँ।

(III) खड़िया भाषा की व्याकरण-संज्ञा, सर्वनाम, वचन, पुरुष, लिंग, काल, क्रिया, विशेषण, उपसर्ग, प्रत्यय, कारक, अव्यय।

(IV) शब्द गठन, वाक्य संरचना एवं क्षेत्रीय रूप।

(V) देवनागरी लिपि एवं खड़िया लिपि का उद्‌भव विशेषताएँ एवं विकास।

(VI) खड़िया भाषा के सहोदर भाषाएँ एवं सम्बन्ध।

भाग - (ख) खड़िया लोक साहित्य

(I) खड़िया लोक साहित्य का सामान्य परिचय, भेद-उपभेद, ऐतिहासिक तथ्य प्रकृति चित्रण।

(II) खड़िया लोक गीत- जीवन दर्शन, रस, अलंकार
लोक गीत-जड़ कोर, बन्दोई, करम परब, जनम परब।

(III) खड़िया लोक कथाओं का उद्‌भव और विकास- सृष्टि कथाएँ पशु-पक्षी की कथाएँ मूर्ख-कथाएँ, गोत्र-कथाएँ, भाई-बहन की कथाएँ।

(IV) लोकगाथा।

(V) खड़िया प्रकीर्ण साहित्य- (1) लोकोक्ति (2) मुहावरें (3) पहेली (4) बाल गीत (5) खेल-गीत (6) मंत्र।

भाग - (ग) खड़िया शिष्ट साहित्य

(I) खड़िया साहित्य का काल विभाजन:

1. आदिकाल - आरम्भ से 1934 ई. तक
2. मध्यकाल - 1935 से 1979 ई. तक
3. आधुनिक काल - 1979 से आज तक।

(II) खड़िया पद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास:

1. कविता 2. गीत।

(III) खड़िया गद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास:

1. कहानी 2. उपन्यास 3. नाटक 4. आत्मकथा 5. जीवनी 6. यात्रा वृतान्त।
7. निबंध 8. विविध खड़िया साहित्य।

(IV) पद्य एवं गद्य से सप्रसंग व्याख्या।

खण्ड-II

भाग - (घ) खड़िया साहित्यकार एवं साहित्य

(I) खड़िया साहित्य के विकास पर अन्य भारतीय साहित्यों का प्रभाव।

(II) खड़िया साहित्य के कुछ प्रमुख कवि, लेखक, नाटकरकार तथा उनकी कृत्तियों का परिचय।

1. खीस्त प्यारा केरकेट्टा
2. जुलियुस बा
3. डॉ. रोज केरकेट्टा
4. डॉ. आ.पी. साहू
5. फा. पौलुस कुल्लू
6. सामुएल बागे
7. डॉ. इग्नासिया टोप्पो
8. फा. जोवाकिम डुँगडुँग
9. नुअस केरकेट्टा
10. मेरी एस. सोरेंग

भाग - (ङ) खड़िया निबंध

विभिन्न विषयों पर खड़िया भाषा (देवनागरी लिपि) में निबंध लेखन

(I) समसामयिक विषय,

(II) सांस्कृतिक विषय

(III) सामाजिक विषय

(IV) आर्थिक विषय

(V) भौगोलिक विषय

भाग - (च) खड़िया संक्षेपण

किसी एक गद्यांश का संरक्षेण।

भाग - (छ) खड़िया भाषा अनुवाद

किसी एक हिन्दी गद्यांश का खड़िया भाषा में अनुवाद।

भाग - (ज) खड़िया अनुच्छेद से प्रश्न

किसी एक अनुच्छेद या अवतरण को पढ़कर खड़िया भाषा में तीन प्रश्नों के उत्तर देने होगे।

झारखण्ड लोक सेवा आयोग मुख्य परीक्षा, पत्र-II
हो भाषा-साहित्य

पूर्ण संख्याः 150 **समय : 3 घंटे**

खण्ड - I

भाग - (क)

(I) हो भाषा उद्‌भव और विकास।

(II) हो भाषा की विशेषताएँ।

(III) हो भाषा की व्याकरण- संज्ञा, सर्वनाम, वचन, पुरुष, लिंग, काल, क्रिया, विशेषण, उपसर्ग, प्रत्यय, कारक अनेक शब्दों के बदले एक शब्द, पर्यायवाची शब्द।

(IV) शब्द गठन एवं वाक्य संरचना एवं क्षेत्रीय रूप।

(V) देवनागरी लिपि एवं वारड चिति लिपि का उद्‌भव विकास एवं विशेषताएँ।

(VI) हो भाषा के सहोदर भाषाएँ एवं सम्बन्ध।

भाग - (ख) हो लोक साहित्य

(I) हो लोक साहित्य का सामान्य परिचय, भेद-उपभेद, ऐतिहासिक तथ्य प्रकृति चित्रण।

(II) हो लोक गीत- जीवन दर्शन, रस, अलंकार। लोक गीतः बा, मागे, हेरोः जोमनमा अणादि।

(III) लोक कथाओं का उद्‌भव और विकास- सृष्टि कथाएँ पशु-पक्षी की कथाएँ मूर्ख-कथाएँ, गोत्र-कथाएँ, भाई-बहन की कथाएँ।

(IV) लोकगाथा।

(V) हो प्रकीर्ण साहित्य- (1) लोकोक्ति (2) मुहावरा (3) पहेली (4) बाल गीत (5) मंत्र।

भाग - (ग) हो शिष्ट साहित्य

(I) हो साहित्य का काल विभाजनः

1. आदिकाल
2. मध्यकाल
3. आधुनिक काल।

(II) हो पद्य साहित्य का इतिहास एवं विकासः

1. कविता 2. गीत।

(III) हो गद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास:

1. कहानी 2. उपन्यास 3. नाटक 4. आत्मकथा 5. जीवनी 6. यात्रा वृतान्त।
7. निबंध 8. विविध खड़िया साहित्य।

(IV) पद्य एवं गद्य से सप्रसंग व्याख्या।

खण्ड-II

भाग - (घ) हो साहित्यकार एवं साहित्य

(I) हो साहित्य के विकास पर अन्य भारतीय साहित्यों का प्रभाव।

(II) हो साहित्य के कुछ प्रमुख कवि, लेखक, नाटकरकार समीक्षक तथा उनकी कृत्तियों का परिचय।

1. लको बोदरा।
2. बलराम पाट पिगुआ
3. कमल लोचन कोडाह,
4. डॉ. आदित्य प्रसाद सिन्हा
5. धनुर सिंह पुरती,
6. दुर्गा पुरती,
7. विश्वनाथ बोदरा,
8. कान्हूराम देवगम,
9. सतीश कुमार कोड़ाह,
10. शंकर लाल गागराई
11. कृष्ण कुंकल,
12. हरिहर सिंह सिरका।

भाग - (ङ) हो निबंध

निम्नलिखित विषयों में से देवनागरी लिपि में निबंध लेखन

(I) समसामयिक
(II) सांस्कृतिक
(III) सामाजिक
(IV) आर्थिक
(V) साहित्यिक
(VI) धार्मिक,
(VII) शहीद से संबंधित
(VIII) ऐतिहासिक

भाग - (च) हो संक्षेपण

किसी एक गद्यांश का संरक्षेण।

भाग - (छ) हो भाषा अनुवाद

किसी एक हिन्दी गद्यांश का हो भाषा में अनुवाद।

भाग - (ज) हो अनुच्छेद से प्रश्न

किसी एक अनुच्छेद या अवतरण पढ़कर कर हो भाषा में तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

प्रश्न पत्र-तृतीय

सामाजिक विज्ञान (इतिहास और भूगोल)

कुल अंक: 200 **समय : 3 घंटे**

सामाजिक विज्ञान के प्रश्न पत्र में दो भिन्न खंड होंगे। जिनमें से एक इतिहास तथा दूसरा भूगोल का होगा। प्रत्येक खंड 100 अंकों का होगा। अभ्यर्थियों के लिये यह अनिवार्य है कि वे प्रत्येक खंड से एक अनिवार्य तथा दो वैकल्पिक प्रश्नों का उत्तर दें। सम्पूर्ण प्रश्न पत्र में कुल छह प्रश्न होंगे। प्रत्येक खंड के अनिवार्य प्रश्न में 10 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे जिनमें से प्रत्येक दो अंकों का होगा (कुल 20 अंक)। इसके अतिरिक्त इतिहास तथा भूगोल के प्रत्येक खण्ड में चार वैकल्पिक प्रश्न भी होंगे। चूँकि इतिहास तथा भूगोल दोनों में चार भिन्न उपखंड हैं अत: प्रत्येक उपखंड में से एक प्रश्न किया जा सकता है जिससे इतिहास तथा भूगोल के दो भिन्न खण्डों से कुल चार प्रश्न हल किये जा सकें। इनमें से अभ्यर्थी को केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं (प्रत्येक 40 अंक)। वैकल्पिक प्रश्न को परम्परागत तरीके (विवरणात्मक, दीर्घ उत्तरीय) से ही लिखना होगा।

खंड (अ)- इतिहास

कुल अंक: 100

(1) प्राचीनकाल:

(i) सिन्धु घाटी सभ्यता: उद्भव, पुरातनता, सीमा, रचनाकारिता तथा मुख्य विशेषताएँ।

(ii) आर्यों का उद्भव।

(iii) वैदिक साहित्य की पुरातनता तथा विभाजन: आरम्भिक (ऋग्वेद)काल के दौरान समाज, अर्थव्यवस्था तथा धर्म।

(iv) लिच्छवि तथा उनका गणतांत्रिक संविधान।

(v) मुगल साम्राज्य का अभ्युदय।

(vi) मौर्यों का काल: साम्राज्य का विस्तार, कलिंग का युद्ध तथा इसके प्रभाव, अशोक का धम्म, विदेश नीति, मौर्य काल के दौरान कला तथा स्थापत्य का विकास।

(vii कुषाण वंश: कनिष्क: साम्राज्य का विस्तार, उसकी धार्मिक नीति, कुषाण काल के दौरान कला, स्थापत्य तथा संचार का विकास।

(viii) गुप्त वंश: साम्राज्य का विस्तार, गुप्त काल के दौरान भाषा, कला तथा स्थापत्य का विकास।

(ix) हर्षवर्धन: उत्तरी भारत का अंतिम महान हिन्दू शासक, उसके काल के दौरान प्राप्त होने वाली सांस्कृतिक उपलब्धियाँ।

(x) चोल वंश: दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में नौवहन गतिविधियाँ, सांस्कृतिक उपलब्धियाँ, कला तथा स्थापत्य।

(xi) पल्लवों की सांस्कृतिक उपलब्धियाँ।

(2) मध्यकाल:

(xii) भारत पर अरबों का आक्रमण।

(xiii) भारत पर गजनवियों का आक्रमण।

(xiv) दिल्ली सल्तनत: अल्लाउद्दीन खिलज़ी के बाज़ारी तथा सैन्य सुधार, मुहम्मद बिन तुगलक की काल्पनिक नीतियाँ।

(xv) भारत पर मंगोलों का आक्रमण।

(xvi) धार्मिक आन्दोलन: (1) सूफी (2) भक्ति आंदोलन।

(xvii) नई इस्लामिक संस्कृति का आगमन: इंडो-इस्लामिक स्थापत्य, हिंदी व उर्दू भाषाओं का विकास।

(xviii) मुगल काल: पानीपत का प्रथम युद्ध, शेर शाह सूरी की उपलब्धियाँ, मुगल साम्राज्य का एकत्रीकरण, अकबर के शासनकाल के अंतर्गत जागीरदारी तथा मनसबदारी व्यवस्था का प्रतिष्ठापन, अकबर का धर्म और राजपूतों की नीतियाँ, औरंगज़ेब का धर्म और राजपूतों की नीतियाँ, मुगल स्थापत्य और चित्रकारी, मुगल काल के दौरान आर्थिक स्थिति।

(xix) मराठों का उदय : शिवाजी की उपलब्धियाँ, मराठों का उत्तर की ओर विस्तार तथा उनका पतन।

(3) आधुनिक काल:

(xx) यूरोपीय औपनिवेशीकरण की शुरुआत: ईस्ट इंडिया कंपनी का निर्माण तथा विकास, भारत में ब्रिटिश शक्ति का समेकन, प्लासी तथा बक्सर के युद्ध, मैसूर पर नियंत्रण, सहायक गठबंधन, चूक का सिद्धांत; राजगामी होने का सिद्धांत।

(xxi) औपनिवेशिक शासन का विरोध: किसानों, जनजातियों तथा सांस्कृतिक विरोध, 1857 की क्रांति।

(xxii) हिन्दू समुदाय में समाज सुधार आन्दोलन: ब्रह्म समाज, आर्य समाज, राम कृष्ण मिशन, प्रार्थना समाज तथा भारत की थियोसोफिकल सोसाइटी।

(xxiii) मुस्लिम समुदाय में समाज सुधार आन्दोलन:वहाबी आन्दोलन तथा अलीगढ आन्दोलन।

(xxiv) महिलाओं की स्थिति में सुधार हेतु संघर्ष: सती प्रथा का उन्मूलन, विधवा विवाह अधिनियम,सहमति विधेयक, महिला शिक्षा पर दबाव।

(xxv) ब्रिटिश शासन के अंतर्गत भूमि राजस्व प्रशासन: स्थायी बंदोबस्त: रैयतवाड़ी तथा महालवाड़ी व्यवस्था।

(xxvi) उन्नीसवीं सदी में भारत में राष्ट्रवाद का उदय : भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का गठन, नरमपंथी तथा गरमपंथी, स्वदेशी आन्दोलन, होम रूल लीग आन्दोलन, खिलाफत आन्दोलन।

(xxvii) महात्मा गांधी और जनसामूहिक राजनीति: असहयोग आन्दोलन, सविनय अवज्ञा आन्दोलन, भारत छोड़ो आन्दोलन ।

(xxviii) भारत का विभाजन तथा इसके परिणाम।

(xxix) स्वतंत्रता के पश्चात् भारत: भारतीय संघ में देशी रियासतों का विलय, भाषायी आधार पर राज्यों का पुनर्गठन, नेहरू तथा इंद्रा गांधी के अंतर्गत गुटनिरपेक्ष की नीति, बांग्लादेश की आज़ादी।

(4) झारखण्ड का इतिहास:

(xxx) आदि धर्म जैसे- झारखण्ड की जनजातियों का सारण सम्प्रदाय।

(xxxi) सदन अवधारणा तथा नागपुरिया भाषा का उद्भव।

(xxxii) झारखंड में जनजाति संघर्ष तथा राष्ट्रवादी संघर्ष।

(xxxiii) बिरसा आंदोलन।

(xxxiv) ताना भगत आन्दोलन।

(xxxv) झारखण्ड में स्वतंत्रता आन्दोलन।

खंड (ब)-भूगोल

कुल अंक: 100

(1) भौतिक भूगोल (सामान्य सिद्धांत):

(i) पृथ्वी की उत्पत्ति क्रमिक विकास, पृथ्वी का आंतरिक भाग, वेगनर का महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत, प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत, ज्वालामुखी, भूकंप और सुनामी।

(ii) चट्टानों के प्रमुख प्रकार और उनकी विशेषताएँ, नदी, हिमनदों, शुष्क और कर्स्ट क्षेत्रों में भू-आकृतियो का क्रमिक विकास तथा विशेषताएँ।

(iii) भू-आकृतिक प्रक्रियाएँ: अपक्षयण, वृहद् क्षरण, अपरदन और निक्षेपण, मृदा का निर्माण, भू-चक्र, डेविस तथा पेंक के विचार।

(iv) वायुमंडल की संरचना,बनावट तथा स्तरीकरण।

(v) सूर्यताप पृथ्वी का ऊष्मा बजट।

(vi) तापमान का क्षैतिज तथा लंबवत वितरण, तापमान का व्युत्क्रमण।

(vii) वायु भार तथा वाताग्र, उष्णकटिबंधीय तथा शीतोष्ण चक्रवात।

(viii) वाष्पीकरण तथा संघनन: ओस, पाला, कोहरा, धुंध और बादल, वर्षा।

(ix) जलवायु का वर्गीकरण (कोपेन तथा थोर्नवैट), हरित गृह प्रभाव, वैश्विक तापन तथा जलवायु परिवर्तन।

(x) जलीय चक्र, महासागरों व समुन्द्रों में तापन तथा सोलीसीट्स का वितरण, तरंगे, ज्वार तथा धाराएँ, महासागरीय तल के उच्चावचिय गुण।

(2) भारत का भौतिक तथा मानव भूगोल:

(xi) बनावट,उच्चावच और प्राकृतिक भूगोल संबंधी विभाजन,हिमालय तथा प्रायद्वीप की जल-अपवाह प्रणाली।

(xii) भारतीय मानसून, प्रणाली, इसका आरम्भ और समाप्ति, जलवायु के प्रकार (कोपेन तथा थोर्नवैट), हरित क्रांति और भारत की मुख्य फसलों पर इसका प्रभाव, खाद्य अल्पता।

(xiii) प्राकृतिक वनस्पतियाँ: वनों के प्रकार एवं वितरण, वन्य जीवन, संरक्षण, जैवमंडलीय रिज़र्व।

(xiv) मृदा के मुख्य प्रकार (आईसीएआर का वर्गीकरण) तथा उनका वितरण, मृदा का निम्नीकरण और संरक्षण।

(xv) प्राकृतिक आपदाएँ: बाढ़, सुखा, चक्रवात, भूस्खलन।

(xvi) जनसंख्या वृद्धि,वितरण और घनत्व।

(xvii) आयु: लिंगानुपात, ग्रामीण-शहरी संरचना।

(xviii) जनसंख्या: पर्यावरण और विकास।

(xix) बस्तियों के प्रकार: ग्रामीण तथा शहरी, शहरी बनावट, शहरी बस्तियों का कार्यात्मक वर्गीकरण, भारत में मानव बस्तियों की समस्याएँ।

(3) भारत के प्राकृतिक संसाधन: विकास और उपयोग:

(xx) भूमि संसाधन: सामान्य भूमि का प्रयोग, कृषि भूमि का प्रयोग, मुख्य फसलों की भौगोलिक स्थिति तथा उनका वितरण जैसे-चावल, गेहूँ, कॉटन, जूट, गन्ना, रबर, चाय तथा कॉफी।

(xxi) जल संसाधन: औद्योगिक तथा अन्य उद्देश्यों के लिये उपलब्धता तथा उपयोग, सिंचाई, जल की अल्पता, संरक्षण की विधियाँ जैसे- वर्षा जल कृषि और जल विभाजक प्रबंधन, सतही जल प्रबंधन।

(xxii) खनिज व ऊर्जा संसाधन: वितरण और उपयोगिता:1) धात्विक खनिज (लौह अयस्क, कॉपर, बॉक्साइट, मेगनीज) 2 अधात्विक खनिज और परम्परागत खनिज (कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस) 3 जल विद्युत और ऊर्जा के गैर-परम्परागत स्रोत (सौर, वायु तथा बायोगैस) 4 ऊर्जा स्रोत: उनका वितरण तथा संरक्षण।

(xxiii) उद्योगों का विकास: उद्योगों के प्रकार; औद्योगिक अवस्थिति के कारण, चुनिंदा उद्योगों (लौह व स्टील, कॉटन टेक्सटाइल, चीनी व पेट्रोरसायन) का वितरण और परिवर्तित होता स्वरूप, वेबर का उद्योगों की अवस्थिति का सिद्धांत व आधुनिक विश्व में इसकी प्रासंगिकता।

(xxiv) परिवहन,संचार और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार:

(a) सड़क, रेलवे और जल मार्ग।

(b) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का आधार, भारत के विदेशी व्यापार के बदलते स्वरूप।

(4) झारखंड का भूगोल और इसके संसाधनों की उपयोगिता:

(xxv) भूगर्भीय इतिहास, भू-आकृतियाँ, अपवाह प्रणाली, जलवायु, मृदा के प्रकार और वन, कृषि और सिंचाई, दामोदर और सुवर्णरेखा प्रोजेक्ट, झारखण्ड के खनिज संसाधन, उनका निष्कर्षण और उपयोग।

(xxvi) जनसंख्या-वृद्धि, वितरण, घनत्व, जनजातीय जनसंख्या और उनका वितरण, जनजातियों की समस्याएँ और जनजातीय विकास योजनाएँ, उनके रिवाज, अनुष्ठान, त्यौहार आदि।

(xxvii) औद्योगिक और शहरी विकास, मुख्य उद्योग-लौह, स्टील और सीमेंट, कुटीर उद्योग।

(xxvii) शहरी बस्ती के प्रकार और जनसांख्यिकीय समस्याएँ।

प्रश्न पत्र-चतुर्थ

भारतीय संविधान और राजव्यवस्था, लोक प्रशासन और शासन व्यवस्था

कुल अंक: 200 **समय : 3 घंटे**

भारतीय संविधान, राजव्यवस्था और लोक प्रशासन के प्रश्न पत्र में दो भिन्न खंड शामिल होंगे। इनमें से एक भारतीय संविधान व राजव्यवस्था और अन्य लोक प्रशासन व शासन व्यवस्था का होगा। प्रत्येक खंड 100 अंक का होगा। अभ्यर्थियों को प्रत्येक खंड से एक अनिवार्य तथा दो वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक खंड के अनिवार्य प्रश्न में 10 बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न होंगे, जिनमें से प्रत्येक दो अंक का होगा। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक खंड में चार वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से अभ्यर्थियों को केवल दो प्रश्न के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न 40 अंक का होगा। वैकल्पिक प्रश्नों का उत्तर परम्परागत तरीके (विवरणात्मक, दीर्घ उत्तरीय)से ही लिखना होगा।

खंड (अ)- भारतीय संविधान और राजव्यवस्था

(i) भारतीय संविधान की प्रस्तावना (धर्मनिरपेक्ष, लोकतान्त्रिक तथा समाजवादी) तथा इसके पीछे का दर्शन।

(ii) भारतीय संविधान की मुख्य विशेषताएँ, जनहित याचिका की अवधारणा, भारतीय संविधान की आधारभूत संरचना।

(iii) मूल अधिकार और कर्तव्य।

(iv) राज्य के नीति-निदेशक तत्त्व।

(v) संघीय सरकार:

(a) संघीय कार्यपालिका: राष्ट्रपति की शक्तियाँ और कार्य, उप-राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद; एक गठबंधन सरकार के अंतर्गत इनके कार्य।

(b) संघीय विधायिका: लोकसभा और राज्यसभा; गठन एवं कार्य, विधि निर्माण प्रक्रिया;संसदीय समितियाँ; कार्यपालिका पर संसद का नियंत्रण; संसद और इसके सदस्यों के विशेषाधिकार और भत्ते।

(c) संघीय न्यायपालिका: उच्चतम न्यायालय: इसकी भूमिका और शक्तियाँ, प्राकृतिक न्याय और कानून के नियम का सिद्धांत, न्यायिक पुनर्विलोकन और न्यायिक सक्रियतावाद।

(vi) राज्य सरकार:

(a) राज्य कार्यपालिका: राज्यपाल की शक्तियाँ और कार्य, मुख्यमंत्री और मन्त्रिपरिषद।

(b) राज्य विधायिका: गठन, शक्तियाँ और कार्य (विशेष रूप से झारखंड के सन्दर्भ में)।

(c) राज्य न्यायपालिका: उच्च न्यायालय; गठन, शक्तियाँ और कार्य, अधीनस्थ न्यायालय।

(d) पंचायतें और नगरपालिकाएँ: इनकी संरचना, शक्तियाँ, 73वें और 74वें संविधान संशोधन के सन्दर्भ में इनके कार्य तथा ज़िम्मेदारियाँ।

(vii) केंद्र-राज्य संबंध: प्रशासनिक, विधायी और वित्तीय।

(viii) अनुसूचित क्षेत्रों तथा अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों के प्रशासन से सम्बन्धित प्रावधान।

(ix) विधायिका तथा सेवाओं में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के लिये आरक्षित स्थानों से सम्बन्धित विशेष प्रावधान।

(x) संविधान के आपातकालीन उपबंध।

(xi) भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग)।

(xii) भारत का चुनाव आयोग।

(xiii) राजनीतिक दल और दबाव समूह।

खंड (ब)- लोक प्रशासन और शासन व्यवस्था

(xiv) लोक प्रशासन: प्रस्तावना, अर्थ, विस्तार और महत्त्व।

(xv) सार्वजनिक और निजी प्रशासन।

(xvi) संघीय प्रशासन: केन्द्रीय सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, योजना आयोग, वित्त आयोग।

(xvii) राज्य प्रशासन: राज्य सचिवालय, मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय।

(xviii) जिला प्रशासन: जिला मजिस्ट्रेट और जिलाधीश के कार्यालय का उद्भव और विकास, जिला कलेक्टर की परिवर्तित होती भूमिका, न्यायपालिका के पृथक्करण का जिला प्रशासन पर प्रभाव।

(xix) निजी प्रशासन: सिविल सेवकों की नियुक्तियाँ: संघ लोक सेवा आयोग व राज्य लोक सेवा आयोग, सिविल सेवकों का प्रशिक्षण; नेतृत्व और इनके गुण, कर्मचारियों का नैतिक स्तर और उत्पादकता।

(xx) प्राधिकरण का प्रत्यायोजन, केंद्रीकरण तथा विकेंद्रीकरण।

(xxi) नौकरशाही: उद्भव; इसके लाभ और हानियाँ; नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में नौकरशाही की भूमिका, नौकरशाही और राजनीतिक कार्यपालिका के मध्य संबंध, सामान्य बनाम विशेषज्ञ।

(xxii) विकासात्मक प्रशासन।

(xxiii) आपदा प्रबंधन- कारण, अर्थ एवं आपदा का वर्गीकरण, आपदा न्यूनीकरण, अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक उपाय

(xxiv) सुशासन: अच्छी तथा उत्तरदायी शासन व्यवस्था का अर्थ तथा अवधारणा; सुशासन की मुख्य विशेषताएँ: जवाबदेहिता, पारदर्शिता, ईमानदारी और जल्द प्रतिपादन; नागरिक समाज की भूमिका और सुशासन में लोगों की सहभागिता, शिकायतों में सुधार की प्रक्रिया: लोकपाल, लोकायुक्त, केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त, नागरिक चार्टर: उद्देश्य, सेवा का अधिकार अधिनियम, सूचना का अधिकार अधिनियम, शिक्षा का अधिकार अधिनियम, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, महिलाओं के विरुद्ध हिंसा पर रोक अधिनियम तथा वृद्धावस्था अधिनियम आदि।

(xxv) मानव अधिकार: अवधारणा और अर्थ: मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राज्य मानवाधिकार आयोग, मानवाधिकार और सामाजिक मुद्दें, मानवाधिकार और आतंकवाद।

प्रश्न पत्र - पंचम

भारतीय अर्थव्यवस्था, वैश्वीकरण और सतत विकास

कुल अंक: 200 **समय : 3 घंटे**

भारतीय अर्थव्यवस्था, वैश्वीकरण और सतत विकास के प्रश्न पत्र में पाँच खंड होंगे। खंड एक अनिवार्य होगा। इस खंड में बीस बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जिनमें से प्रत्येक दो अंक का होगा। ($20 \times 2 = 40$) इस खंड के बीस बहुविकल्पीय प्रश्नों को प्रश्न पत्र के पूरे पाठ्यक्रम से लिया जाएगा जिनमें से छह प्रश्न, समूह 1, छह प्रश्न, समूह 2, चार प्रश्न, समूह 3 और चार प्रश्नों को पाठ्यक्रम के समूह 4 से लिया जाएगा। प्रश्न पत्र के खण्ड 2, 3, 4 और 5 में से प्रत्येक में दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिन्हें विशेष रूप से पाठ्यक्रम के समूह 1, 2, 3 व 4 से लिया जाएगा जिनमे से अभ्यर्थियों को प्रत्येक समूह से केवल एक प्रश्न का उत्तर देना है। इनमें से प्रत्येक प्रश्न चालीस अंक का होगा। अत: अभ्यर्थी को अनिवार्य बहुविकल्पीय प्रश्न के अतिरिक्त अन्य चार प्रश्न करने होंगे। ($40 \times 4 = 160$) वैकल्पिक प्रश्नों को परम्परागत तरीके (विवरणात्मक, दीर्घ उत्तरीय) से ही लिखना होगा।

समूह (1)-भारतीय अर्थव्यवस्था की मूल विशेषताएँ

(i) राष्ट्रीय आय: राष्ट्रीय आय के सामान्य अवधारणा और इसकी गणना के तरीके जैसे- स्थिर और वर्तमान मूल्यों पर जीडीपी, जीएनपी, एनडीपी एनएनपी, जीएसडीपी, एनएसडीपी और डीडीपी।

(ii) मुद्रास्फीति: अवधारणा, मुद्रास्फीति पर नियंत्रण: इसका मौद्रिक, राजकोषीय तथा प्रत्यक्ष मापन।

(iii) जनसांख्यिकीय विशेषताएँ: कार्य बल का संयोजन, 2011 की जनगणना के संदर्भ में जनसांख्यिकीय लाभांश, राष्ट्रीय जनसंख्या नीति।

(iv) कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था: राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में कृषि का महत्त्व: भारत में कृषि विकास उत्पादन तथा उत्पादकता,निम्न उत्पादकता के कारण और कृषि उत्पादकता में सुधार करने हेतु सरकार द्वारा लिये गए कदम, हरित क्रांति, सदाबहार (ever green) क्रांति और इन्द्रधनुषी क्रांति: विश्व व्यापार संगठन और कृषि, कृषि आगतों और उत्पादन का बाजारीकरण और मूल्यीकरण।

(v) औद्योगिक अर्थव्यवस्था: नीतिगत पहल और व्यय।

(vi) लोक वित्त: स्वरूप, लोक वित्त का महत्त्व और विस्तार, सार्वजनिक राजस्व-सिद्धांत और करों के प्रकार: प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष, प्रगतिशील और आनुपातिक, वैट (अंज) की अवधारणा।

(vii) सार्वजनिक व्यय: सार्वजनिक व्यय के सिद्धांत: सार्वजनिक व्यय की वृद्धि के कारण और अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव; आंतरिक व बाह्य उधारियाँ।

(viii) बजट: बजट निर्माण के सिद्धांत: बजट के प्रकार- प्रदर्शन आधारित, शून्य आधारित, वित्तीय संसाधन प्रबंधन विभाग (FRMD)।

(ix) राजकोषीय नीति: अवधारणा और रोज़गार प्राप्ति में राजकोषीय नीति की भूमिका, स्थायित्व और आर्थिक विकास।

(x) केंद्र-राज्य राजकोषीय सम्बन्ध, वित्त आयोग की भूमिका, 73वें व 74वें संविधान संशोधन के वित्तीय पहलू।

(xi) भारतीय मौद्रिक नीति तथा भारत में बैंकिंग व्यवस्था की संरचना।

(xi) भारत के व्यापार की संरचना: भुगतान संतुलन की समस्या।

समूह (2)-सतत विकास, आर्थिक मुद्दें और भारत की विकास की रणनीति

(xii) आर्थिक विकास का अर्थ और मानक, अल्पविकास की विशेषताएं।

(xiii) विकास के सूचक: मानव विकास सूचकांक, वैश्विक विकास सूचकांक, सकल घरेलू आय, जी.ई.एम भारत की मानव विकास सूचकांक में प्रगति।

(xiv) अर्थव्यवस्था की वृद्धि में विदेशी पूंजी और तकनीकी की भूमिका।

(xv) सतत विकास: अवधारणा और सतत विकास के सूचकांक; आर्थिक ,सामाजिक और पर्यावरणीय सततता, हरित जीडीपी की अवधारणा, भारत में सतत विकास के लिये रणनीति और नीति।

(xvi) समावेशी वृद्धि का अर्थ और 11वीं व 12वीं पंचवर्षीय योजनाओं के दौरान विकासात्मक नीति एवं रणनीति।

(xvii) विकासात्मक दर्जा तथा सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों से जुड़े मुद्दें जैसे अनुसूचित जनजातियाँ, अनुसूचित जातियाँ, धार्मिक अल्पसंख्यक, पिछड़ी जातियाँ और महिलाएँ; केंद्र तथा राज्य सरकारों द्वारा उनके विकास हेतु बनाई जाने वाली योजनाएँ (टीएसपी, एससीएसपी और अल्पसंख्यकों को शामिल करते हुए)।

(xviii) गरीबी और बेरोज़गारी: मापन और रुझान, गरीबी रेखा से नीचे (BPL) की पहचान, मानव गरीबी सूचकांक (HPI), बहुआयामी भारतीय गरीबी सूचकांक (MPI)।

(xix) खाद्य और पोषण सुरक्षा: भारत का खाद्य उत्पादन में रुझान और उपभोग, खाद्य सुरक्षा की समस्या: भंडारण की समस्या और मुद्दें, खरीद वितरण, आयत और निर्यात: सरकारी नीतियाँ, योजनाएँ और कार्यक्रम जैसे- सार्वजनिक वितरण प्रणाली, आईसीडीएस और मध्याहन भोजन आदि।

(xx) खाद्य और पोषण सुरक्षा हेतु सरकारी नीतियाँ।

(xxi) योजनागत रणनीति: भारतीय पंचवर्षीय योजनाओं के उद्देश्य और रणनीति, राष्ट्रीय विकास परिषद की भूमिका और कार्य, योजना आयोग।

(xxii) विकेंद्रीकृत योजना: अर्थ और महत्त्व, पीआरआईएस और विकेंद्रीकृत योजना,भारत में मुख्य पहलें।

समूह (3)-आर्थिक सुधार,स्वरूप और भारतीय अर्थव्यवस्था पर इनका प्रभाव

(xxiii) नए आर्थिक सुधार-उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण, सुधार के औचित्य और आवश्यकताएँ, अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएँ जैसे-अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, विश्व व्यापर संगठन इनकी भूमिका तथा भारतीय अर्थव्यवस्था पर इनका प्रभाव।

(xxiv) वित्तीय और बैंकिंग क्षेत्र के सुधार, आर्थिक सुधार और ग्रामीण बैंकिंग का ग्रामीण साख पर पड़ने वाला प्रभाव, स्वयं सहायता समूह, सूक्ष्म वित्त, नाबार्ड, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक, ग्रामीण सहकारी बैंक, वित्तीय समावेशन।

(xxv) भारतीय अर्थव्यवस्था का वैश्वीकरण: विभिन्न क्षेत्रों पर पड़ने वाले इसके सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव, भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों के मुद्दें।

(xxvi) कृषि क्षेत्र में सुधार तथा विकास पर इसका प्रभाव; सब्सिडी के मुद्दें और कृषि पर होने वाला सार्वजनिक निवेश, सुधार तथा कृषि संकट।

(xxvii) भारत में औद्योगिक विकास और आर्थिक सुधार: औद्योगिक नीति में मुख्य परिवर्तन, इसका औद्योगिक विकास पर प्रभाव और सूक्ष्म व मध्यम उद्यमों की समस्या, बाद के सुधार के काल में होने वाले भारत के उदारीकरण में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की भूमिका, सार्वजनिक उद्यमों का विनिवेश और निजीकरण।

समूह (4)- झारखण्ड की अर्थव्यवस्था: विशेषताएं, मुद्दें, चुनौतियाँ और रणनीतियाँ

(xxviii) झारखण्ड की अर्थव्यवस्था की आर्थिक संवृद्धि और संरचना, क्षेत्रीय संरचना, पिछले दशक में एसडीपी तथा प्रति व्यक्ति एनएसडीपी में वृद्धि, झारखण्ड में कृषि और औद्योगिक वृद्धि।

(xxix) झारखण्ड की जनसांख्यिकीय विशेषताएँ: जनसंख्या वृद्धि, लिंगानुपात, घनत्व, साक्षरता, कार्यबल की संरचना, ग्रामीण-शहरी संरचना इत्यादि (2001 तथा 2011 की जनगणना के विशेष संदर्भ में), ज़िलों में आतंरिक विविधताएँ

(xxx) झारखंड में गरीबी की स्थिति, बेरोज़गारी, खाद्य सुरक्षा, कुपोषण और स्वास्थ्य सूचकांक, प्रमुख पहलें, कृषि और ग्रामीण विकास के मुद्दें, प्रमुख कार्यक्रम और योजनाएँ, गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम: पीयूआरए (PURA), भारत निर्माण, मनरेगा, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, स्वर्ण जयंती स्वरोज़गार योजना, इंद्रिरा आवास योजना आदि; खाद्य सुरक्षा योजना।

(xxxi) झारखण्ड में भूमि,वन और पर्यावरणीय मुद्दें: भूमि सुधार और कृषि सम्बन्ध, जनजाति भूमि,लोगों का विकास हेतु विस्थापन;इसके प्रभाव और नीतिगत पहलें, वनों से सम्बन्धित मुद्दें और वित्तीय संसाधन एजेंसी का क्रियान्वयन, पर्यावरणीय निम्नीकरण और इससे निबटने हेतु राज्य की नीति।

(xxxiii) झारखण्ड में पंचवर्षीय योजनाएँ, 10वीं और 11वीं योजना की रणीनीति और उपलब्धियाँ, टीएसपी और एससीएसपी, झारखण्ड में लोक वित्त का झुकाव, झारखण्ड में औद्योगिक नीति और औद्योगिक विकास।

प्रश्न पत्र-षष्ठ

सामान्य विज्ञान, पर्यावरण और तकनीकी विकास

कुल अंकः 200 **समय : 3 घंटे**

सामान्य विज्ञान, पर्यावरण और तकनीकी विकास के प्रश्न पत्र में छह खंड शामिल होंगे। खंड एक में बहुविकल्पीय प्रकार के बीस प्रश्न होंगे जिनमें से प्रत्येक दो अंक का होगा।इस खंड के सभी प्रश्नों को पाँचों समूहों के पाठ्यक्रम से लिया जाएगा। प्रश्न पत्र के खंड दो, तीन, चार, पाँच और छह में से प्रत्येक में दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिन्हें पाठ्यक्रम के समूह समूह 1, 2, 3, 4 और 5 से लिया जाएगा। इनमे से अभ्यर्थियों को प्रत्येक समूह से केवल एक प्रश्न का उत्तर देना है जो की बत्तीस अंक का होगा। वैकल्पिक प्रश्नों को परंपरागत तरीके (विवरणात्मक, दीर्घ उत्तरीय) तरीके से लिखना होगा। इनकी शब्द सीमा 500 से 600 शब्द है। अतः इस प्रकार अभ्यर्थियों को एक अनिवार्य बहुविकल्पीय प्रकार का प्रश्न (40 अंक) तथा 5 दीर्घ उत्तरीय वैकल्पिक प्रश्नों (प्रत्येक 32 अंक) का उत्तर देना होगा।

समूह (1)- भौतिक विज्ञान

(i) मानकों की पद्धतिः MKS, CGS, SI।

(ii) चाल, वेग, गुरुत्व,द्रव्यमान,भार,बल,आघात,कार्य शक्ति और ऊर्जा की परिभाषाएँ।

(iii) सौरमंडल, सूर्य तथा अन्य ग्रहों के सापेक्ष पृथ्वी की स्थिति, सौरमंडल में पृथ्वी और चंद्रमा की गति, चन्द्रग्रहण और सूर्यग्रहण।

(iv) ध्वनि की अवधारणा और स्वभाव, तरंग दैर्घ्य और आवृत्ति, इन्फ्रासोनिक और अल्ट्रासोनिक ध्वनि, प्रकृति में इन्फ्रासोनिक ध्वनि के स्रोत, अल्ट्रासोनिक ध्वनि की विशेषताएँ और कुछ अनुप्रयोग।

समूह (2)- जीवन विज्ञान

(i) जीवित विश्व, कोशिकीय संरचना और इसके कार्य,जीवों में विविधता।

(ii) जैव अणु- कार्बोहाईड्रेट की संरचना और कार्य, प्रोटीन और वसा, विटामिन और इसकी कमी से होने वाले रोग, एंजाइम, हॉर्मोन-पौधों के हॉर्मोन और वृद्धि नियामक,जीवों के हॉर्मोन और उनके कार्य।

(iii) कोशिकीय प्रजनन-कोशिकीय चक्र, समसूत्री और अर्धसूत्री विभाजन।

(iv) वंशानुक्रम- एकल संकरण तथा द्वि-संकरण, लिंग से जुड़े हुए वंशानुक्रम, लिंग निर्धारण, डीएनए की संरचना और कार्य, डीएनए प्रकृति, प्रोटीन संश्लेषण, जीन नियमन, विभेदन के आणविक आधार।

(v) मानव के क्रमिक विकास को शामिल करते हुए पृथ्वी पर जीवन के विकास के सिद्धांत।

समूह (3)-कृषि विज्ञान

(i) झारखण्ड के विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्र, वृष्टि के तरीके तथा प्रत्येक क्षेत्र में पड़ने वाले अजैविक दबाव

(ii) वर्षा पोषित कृषिः राज्य के परम्परागत खाद्य और बागवानी फसलें, जलवायु परिवर्तन के समय खाद्यान्न के लिये फसलों का विविधिकरण तथा इसके साथ ही पोषण सुरक्षा, वर्षा जल कृषि और झारखंड में कृषि को सुधारने में इसकी भूमिका, मत्स्य कृषि।

(iii) झारखण्ड में मृदा उत्पादकता की स्थिति- मृदा की उत्पादकता में सुधार हेतु वर्मी कम्पोस्ट और फार्म यार्ड मेन्यूर (FYM) के अनुप्रयोग, नाइट्रोजन स्थिरीकरण जीवाणुःउनके अनुप्रयोग और जैविक कृषि की अवधारणा।

(iv) कृषि वनीकरण की अवधारणा, बंज़र भूमि तथा उन्हें कृषि योग बनाने हेतु साधन।

(v) राज्य के किसानों के लाभ हेतु सरकार की योजनाएँ।

समूह (4)- पर्यावरणीय विज्ञान

पारिस्थितिकी तंत्र की अवधारणा, पारिस्थितिकीय तंत्र की संरचना और कार्य, प्राकृतिक संसाधन-नवीकरणीय और गैर-नवीकरणीय संसाधन, पर्यावरणीय संरक्षण-स्वस्थाने और परस्थाने संरक्षण, प्रदूषण-वायु, जल, ध्वनि और मृदा, ठोस कचरा प्रबंधन, जैव-विविधताः अवधारणा, हॉटस्पॉट, जैव-विविधता के खतरे, वैश्विक पर्यावरणीय मुद्देः जलवायु परिवर्तन, वैश्विक तापन, ओज़ोन परत का ह्रास, अम्ल वर्ष, मरुस्थलीकरण; पर्यावरणीय कानून-पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, वायु (रोकथाम और प्रदूषण पर नियंत्रण) अधिनियम, जल (रोकथाम और प्रदूषण पर नियंत्रण) अधिनियम, वन संरक्षण अधिनियम।

समूह (5)- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकास

विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय नीति, देश की ऊर्जा मांग, ऊर्जा के परंपरागत और गैर-परंपरागत स्रोत, नाभिकीय ऊर्जा: इसके लाभ तथा हानियाँ, नाभिकीय नीति की और झुकाव, एनपीटी और सीटीबीटी, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी-भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम, विभिन्न उद्देश्यों हेतु उपग्रहों के अनुप्रयोग, भारतीय मिसाइल कार्यक्रम; दूरसंवेदी: जीआईएस और मौसम की भविष्यवाणी, आपदा की चेतावनी, जल, मृदा व खनिज संसाधनों के मानचित्रण में इसके अनुप्रयोग; कृषि,जीवधारियों के प्रजनन, औषधि, खाद्य तकनीक और पर्यावरणीय संरक्षण में जैव प्रौद्योगिकी का उपयोग; जैव प्रौद्योगिकीय व्यवधानों के सम्भावित प्रतिकूल प्रभाव; सूचना प्रौद्योगिकी: कंप्यूटर तथा आंकड़ों की प्रोसेसिंग में इनका अनुप्रयोग, डेटा प्रोग्राम, साइबर अपराध और साइबर कानून।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति: मलेरिया, कुष्ठ रोग, ट्यूबरक्लोसिस, एड्स, अंधापन की रोकथाम और इनके नियंत्रण हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम।